सक्सेस मिरर

वर्ष : 5
अंक : 55
अगस्त : 2014

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

7 | अपनी नकारात्मकता को पहचानो

8 | समसामयिकी घटना संग्रह

10 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

20 | आर्थिक घटना संग्रह

- औद्योगिक और ढाँचागत परियोजनाओं के लिए पर्यावरण अनुमति की ऑनलाइन प्रणाली शुरू
- ईपीएफओ ने भविष्य निधि से सम्बन्धित दिशा–निर्देश जारी किए

24 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- कुडनकुलम 1000 मेगावाट बिजली पैदा करने वाला भारत का पहला नाभिकीय संयंत्र बना
- भारतीय सेना ने 'सेवानिवृत्त सैनिक शिकायत समाधान पोर्टल' (एवीजीएच) जारी किया

27 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने भारत का दौरा किया
- ब्रिटेन की संसद में रिकॉल ऑफ एम.पी. बिल लागू हुआ
- रूस ने पाकिस्तान पर लगे हथियार प्रतिबंध को हटाया

31 | खेल खिलाड़ी

- फ्रेंच ओपन–2014 टेनिस टूर्नामेंट पेरिस में सम्पन्न
- फीफा विश्व कप 2014 में ब्रजूका बॉल का इस्तेमाल होगा

35 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

अनुप्रेरक युवा प्रतिभा

38 | आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित परीक्षा 2012 में पंजाब नेशनल बैंक लिपिकीय संवर्ग में चयनित
—मनीष कुमार डेहरिया

लेख

★ शैक्षिक लेख

40 | शिक्षा दर्शन

★ लोक प्रशासन लेख

42 | सूचना का अधिकार–भ्रष्टाचार निर्मूलन की ओर एक कदम

★ सामान्य जानकारी

84 | जनजातीय कार्य सम्बन्धी, विकास रणनीति, प्रोग्राम्स, शिक्षा प्रोत्साहन, अनुसंधान एवं सूचना

86 | प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता

88 | तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक 52 का परिणाम

89 | रोजगार अवसर

हल प्रश्न-पत्र

आगामी आईबीपीएस द्वारा आयोजित बैंक क्लर्क सम्मिलित लिखित परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

43 तर्कशक्ति परीक्षा

46 English Language

49 संख्यात्मक क्षमता

52 सामान्य जागरूकता

54 कम्प्यूटर ज्ञान

आगामी स्टेट बैंक लिपिकीय संवर्ग परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

56 तर्कशक्ति परीक्षा

61 English Language

64 आंकिक क्षमता

67 सामान्य जागरूकता

69 विपणन/कम्प्यूटर ज्ञान

71 आर.आर.सी. (बिलासपुर) ग्रुप 'डी' परीक्षा, 2013 (द्वितीय पाली)

76 बिहार अग्निशमन सेवा, फायरमैन भर्ती परीक्षा, 2012

आगामी एस.एस.सी. रेलवे बैंकिंग, राज्य स्तरीय सिविल सेवा आदि परीक्षाओं हेतु विशेष हल प्रश्न

82 समसामयिक घटनाएं

➲ सम्पादक : महेन्द्र जैन

➲ रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2

➲ सम्पादकीय ऑफिस
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन– 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स– (0562) 4053330, 4031570
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयर: care@pdgroup.in

➲ दिल्ली ऑफिस
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन– 011-23251844/66

➲ हैदराबाद ऑफिस
1-8-1/B, आर. आर. कॉम्प्लेक्स
बाग लिंगमपल्ली, हैदराबाद–500 044
फोन– 040-66753330
मो– 09391487283

➲ पटना ऑफिस
पीरमोहनी चौक, कदमकुआँ
पटना–800 003
फोन–0612-2673340
मो–09334137572

➲ कोलकाता ऑफिस
28, चौधरी लेन, श्याम बाजार
कोलकाता– 700 004
फोन– 033-25551510
मो– 07439359515

➲ लखनऊ ऑफिस
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइंया,
लखनऊ– 226 004
फोन– 0522-4109080
मो– 09760181118

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

अपनी नकारात्मकता को पहचानो

हर बार हम सुनते हैं कि सकारात्मक सोचो, सकारात्मक बोलो, Think Positive, Be Positive इत्यादि, किन्तु मैं यहाँ कहना चाहूँगी कि क्या हम अपनी नकारात्मकता को पहचान पाते हैं. हम कहाँ और कैसे नकारात्मक होते हैं, हमें इस बात का अकसर पता ही नहीं चल पाता है. जब भी हमारी जानी-पहचानी दशा से कुछ भिन्न स्थिति हमारे सामने आती है, तो हमारे दिमाग में तुरन्त ही, प्रथम विचार कौनसा कौंधता है ? वह सकारात्मक होता है या नकारात्मक ? उदाहरण के तौर पर आप घर लौटे हैं और आप अपने घर के बाहर कुछ लोगों को एकत्रित खड़े पाते हैं, तब आपके मन का पहला विचार क्या होगा ? आप बस स्टेण्ड पर जाते हैं और चारों ओर शांति पाते हैं, तब आपका पहला विचार क्या होगा ? आप दफ्तर के लिए निकलते हैं और सड़क सुनसान पाते हैं, आप ऑफिस जाते हैं और कोई भी आपकी तरफ ध्यान नहीं देता, आँख उठाकर भी नहीं देखता, आपके मन में क्या विचार आएगा ? यही न कि जरूर कुछ-न-कुछ गड़बड़ है. कहीं कुछ अपघटित तो नहीं हो गया, कुछ अप्रिय तो नहीं हो गया, किसी ने मेरे बारे में कुछ प्रतिकूल तो नहीं सुन लिया. इसी तरह के विचार हमारे मानस पटल पर पहली बार में कौंधेंगे. ये विचार बतलाते हैं कि हमारे भीतर कितनी नकारात्मकता छुपी पड़ी है, दबी हुई है.

हम यदि बुरे परिणाम नहीं चाहते हैं, तो हमें अपनी सुधारात्मक प्रक्रिया को बदलना होगा. हम बच्चों को उज्ज्वल पक्ष दिखाएं, उन्हें प्रेरणादायक वाक्य सुनाएं कि ''देखो ! तुम कितने समझदार हो, तुमने ये कार्य कितनी जिम्मेदारी से निभाया, अब आगे तुम्हें जो और अधिक कठिन कार्य मिले हैं वे इस बात के सूचक हैं कि तुम योग्य हो. तुम्हें इनको भी सुंदर तरीकों से निपटाना है. हमें पूरा-पूरा भरोसा है कि तुम इन्हें कर सकते हो और करके दिखाओगे. तुम्हारे भीतर गजब की शक्तियाँ हैं, तुम उन्हें काम में लो और ये कठिन काम भी कर गुजरो. तुम्हें किसका डर ? तुम अकेले ही काफी हो.'' इस तरह के प्रेरणादायक वाक्य सुना कर आप अपने बच्चों का हौसला बढ़ा सकते हैं. जब भी वे कुछ नया करना चाहें, तो उन्हें साहस दो, प्रेम दो, मार्गदर्शन दो, कभी हतोत्साहित मत करो. उनका परिणाम अच्छा न आए, तब भी उन्हें उससे प्रेरणा लेना सिखाओ.

अपने पति या पत्नी को भी प्रेरित करो, न कि उन्हें निराशापूर्ण वाक्य कहो. जब वे घर से निकलें, तो उन्हें दुआएं दो, बच्चों को आशीर्वाद दो.

परिवार के मुखिया के रूप में प्रत्येक व्यक्ति का यह दायित्व बनता है कि वह परिवार के अन्य सदस्यों के मन में नकारात्मक सोच पैदा ही न हो. नैसर्गिक रूप से प्रत्येक व्यक्ति में सकारात्मक ऊर्जा होती है. आवश्यकता केवल इस बात की है कि व्यक्ति अपने भीतर की ऊर्जा और स्वयं की सकारात्मक सोच को पहचाने तथा उसे उत्पादक कार्यों हेतु प्रयुक्त करे. प्रत्येक व्यक्ति बड़े स्तर पर सृजनात्मकता का स्रोत होता है. सकारात्मक सोच के साथ वह इससे स्वयं का, अपने परिवार का, समाज और राष्ट्र का भला कर सकता है. नकारात्मकता से कुछ भी प्राप्त नहीं किया जा सकता. अंग्रेजी भाषा का Impossible शब्द अपने आप में 'I am possible' के साथ सकारात्मक सोच का सन्देश देता है. इस तथ्य को ध्यान में रखिए कि आपके लिए अधिकांश लक्ष्य प्राप्त कर लेना सम्भव है किन्तु शर्त यह है कि उन्हें प्राप्त करने के लिए सच्ची भावना के साथ प्रयास करें.